STATEMENT BY MINISTER

I. COMMUNAL INCIDENTS THAT TOOK PLACE IN KERALA FROM 19TH JULY, 1992

THE MINISTER ' OF STATE IN THE! MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND' THE MINIS TER OF STATE 'IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M, M. JACOB): Madam, according to the reports received from the Govt, of Kerala, the areas of South of Thiru-vananthapuram bye-pass road especially Poonthura, Bhima Pally, Mana-chad, Thakaraparambu, Shankumuk-ham etc. were highly tense because about 3000 persons had marched to the airport on 18 July, 1992 to offer dharna on the Ayodhya issue. The BJP was orgainsing the 'Ayodhya Action Day' on 20 July, 1992. Hence both sides were fully mobilised and highly worked up. On 19 July, 1992, when the members of an organisation were returning after a drill near Shankumukham Road, they were pelted with stones and crackers by some mob. This sparked off violent incidents on 19 and 20 July, 1992 in the costal hamlet of Poonthura. Four persons were injured in stone-throwing and cracker bursts. Three persons were injured in stabbing. Police opened fire at five places injuring three persons. In the stone-throwing and in dispersing violent mobs by use of force, 34 police personnel including two Assistant Commissioners and five Inspectors were hurt. Prohibitory orders u/s 144, Cr. P.C. were promptly clamped in Poonthura, Fort and Thirvallam areas and ValiaThura Police Station limits.

[The Vice-Chairman (Shri Shankar Dayal Singh) in the Chair]

According to the report, the situation further worsened when some mis. creants entered a religious place in Keshavadasapuram and backed and killed a person in the early hours of 20 July, 1992. The Police had to resort to firing in which three persons were killed. A number of arson cases have been reported in which houses, shops and some vehicles were involved. Two groups separately called for bandh on 21 July in which normal life was partially affected. One person was killed in East Fort area of Thiruvananthapuram on 21 July 1992' raising the death toll to five.

The Army conducted flag march on two occasions in the affected areas in Thirvananthapuram city limits. Additional police forces were deployed for the maintenance of order. Few companies of Special Armed Police of Tamil Nadu were requisitioned by the State Government and deployed. Few companies of CISF and CRPF were also sent to Thiruvananthapuram. tc keep the situation under control. 168 Persons have been arrested and 92 cases registered.

The Minister (Electricity) who is holding the charge of Chief Minister convened a meeting on 21 July 1992 with leaders of political parties in which it was unanimously decided to put down violence at all costs. Relief measures had been arranged to the families affected by the communal violence. The State Government has appointed a member of the Board of Revenue as a Commission of Inquiry to assess and submit the report to Government on the nature of quantum of assistance to be granted to the victims of the communal disturbances. The State Government have further informed that compensation will be paid after the receipt of this report. It has been reported that now peace and normalcy have been restored.

II. COMMUNAL VIOLENCE IN MALEGAON, DISTRICT NASIK MAHARASHTRA ON 19TH JULY, 1998

THE MINISTER OF STATE 'IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Sir, according to the information received from the Government of Maharashtra, on 19th July, 1992 a call for 'Malegaon bandh' had been given by a Janata Dal M.L.A. as per directive from the Babri Masjid Action Com-

mittee. A morcha of ten thousand persons was organised under his leadership which started at 1000 hrs. from Killazozpadpatti to the SDM's Office, Malegaon. When the morcha approached Kakini cinema theatre at about 1155 hours, the participants in the morcha pelted stones at some shops which were open. As the crowd became violent, the police resorted to lathi charge to control it. At 1200 hours the morcha was dispersed. Incidents of stabbing were reported from various localities of Malegaon. Curfew was promulgated at 1500 hours. The District Magistrate, DIG (Police) and SP (Police were present at Malegaon.

During the rioats, one medical dispensary, two cloth shops and one ration shop were set on fire. About. twenty tricycles were burnt. According to the State Government, the total damage is estimated to be about Rs. 1.5 lakhs. In all, 34 persons were injured including some policemen. Two persons died due to stab injuries.

According to the State Government, in all 156 persons were arrested under various provisions of law and 23 cases were also registered. The Janata Dal MLA was arrested on 20th July, 1992. On 20th July, 1992 the curfew was lifted but due to stabbing incidents it was reimposed at 1400 hrs. On 21st July, the curfew was lifted at 0600 hrs. and again reimposed at 1130 hrs. Due to an incident of stabbing, the curfew was being continued till 22nd July, 1992 morning. Police arrangements have been reinforced.

The State Government have stated that the situation continues to be tense and watch is being maintained. Today when the State Government was contacted it was reported that the situation has improved considerably and is now under control.

SHRI MOHAMMED AFZAL alio* MEEM AFZAL (Uttar Pradesh) Mr. Vice-Chairman, I am on a point of order.

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : प्वाईंट ग्राफ ग्रार्डर इसी के ऊपर है?

श्री मोहम्मद ग्रफजल उर्फ **मीम अफजल** (उत्तर प्रदेश) **ग्रफजल** जी, हां इसके पहले कि क्लरीफिकेशन पूछे जांय। मेरा प्वाईंट ग्राफ ग्रार्डर यह है कि हर बार जब इस किस्म का स्टेटमेंट होता है तो उसमें होम मिनिस्टर यह कहते है कि स्टेट गवर्नमेंट ने जो इत्तिला दी है, उसकी बुनियाद पर यह दिया जा रहा है। मेरा . . .

†[شری محمد افضل عرف م- افضل جی ہاں - اسکے پہلے کہ کلیریفکیشن پوچھے جائیں - میرا پوائنٹ آف آرڈر یہ ہے کہ ہر بار جب اس قسم کا اسٹیٹمنٹ ہوتا ہے تو اس میں ہوم منسٹر یہ کہتے ہیں کہ اسٹیٹ گورمنٹ نے جو اطلاع دی ہے - اسکی بنیاد پر یہ دیا جا رہا ہے میرا ......

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): ग्रफजल साहब एक मिनट जरा बैठ जाइये । ग्रापका नाम है, ग्रापको मौका दिया जायगा ।

श्री मोहम्मद ग्रफजल उर्फ **मीम अफजल:** मैं इस सिलसिले में ग्रापसे सिर्फ यह जानना चाहता हूं कि जब मरकजी सरकार की इसमें कोई जिम्मेदारी नहीं है तो मेरा कहना यह है ग्रौर मैंने इसके पहले भी यह सवाल उठाया है कि हर स्टेट में सेंट्रल गवर्नमेंट की एजेंसीज भी कुछ काम करती है । इसलिय सेंट्रल गवर्नमेंट का भी फर्ज है कि वह देखे कि स्टेट के ग्रंदर क्या हो रहा है। जब सेंट्रल गवर्नमेंट के होम मिनिस्टर यहां पर खड़े होकर बयान देते हैं तो उनको सेंट्रल एजेंसीज से इसको क्रास-चेक करा लेना चाहिए ग्रौर इसमें ग्रपनी राय भी देनी चाहिय कि सेंट्रल गवर्नमेंट इस सिलसिले में क्या महसूस करती है ।

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں اس سلسلے میں آپ سے صرف یہ جاننا چاہتا ہوں کہ جب مرکزی سرکار کی اس میں کوئی ذمہ داری نہیں ہے تو میرا کہنا یہ ہے اور میں نے اس کے پہلے بھی یہ سوال اٹھایا ہے کہ ہر اسٹیٹ میں سنٹرل گورنمنٹ کی ایجنسیز بھی کچھ کام کرتی ہیں۔ اس لئے سنٹرل گورنمنٹ کا بھی فرض ہے کہ وہ دیکھے کہ اسٹیٹ کے اندر کیا ہو رہا ہے۔ جب سنٹرل گورنمنٹ کا ہوم منسٹر یہاں پر کھڑے ہو کر بیان دیتے ہیں تو ان کو سنٹرل ایجنسیز سے اس کو کراس چیک کرا لینا چاہیئے اور اس میں اپنی رائے بھی دینی چاہیئے کہ سنٹرل گورنمنٹ اس سلسلے میں کیا محسوس کرتی ہے۔

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : यह तो ठीक है। जो माननीय सदस्य ने कहा है उन बातों का भी माननीय मंत्री जी ध्यान रखेंगे और जब वे जवाब देने लगेंगे तो उस समय निश्चित रूप से आपने जो सवाल उठाये है, उनका वे जवाब देंगे।

हमारे सामने ये दो स्टेटमेंट हैं, जो आये हैं और मेरे सामने यह जो लिस्ट है, क्लेरीफिकेशन पूछने वाले माननीय सदस्यों की, उसमें कुछ नाम ऐसे हैं जो दोनों में हैं। वे केरल के संबंध में भी जानना चाहते हैं और महाराष्ट्र की घटना के संबंध में भी जानना चाहते है। हमें दोनों स्टेटमेंटों को साथ साथ लेकर चलना है। क्योंकि दोनों स्टेटमेंट साथ साथ आये है, इसलिय उनके जवाब भी साथ साथ होंगे। तो मैं यह चाहूंगा माननीय सदस्यों से, जिनके नाम दोनों सूची में हैं, जैसे कि सबसे पहले प्रमोद महाजन का नाम दोनों सूचियों में हैं, लेकिन शायद केरल के संबंध में राजगोपालन जी पूछेंग। लेकिन जो नाम दोनों सूचियों में हैं, जैसे कि गुरुदास गुप्त जी का नाम दोनों में है, मैं ऐसे सदस्यों से अनुरोध करूंगा और कहना चाहूंगा कि एक बार ही मैं उनका नाम पुकारुंगा और उसी वक्त व दोनों विषयों पर पूछ लें। इससे आसानी होगी। प्वाइटेंट क्वेश्चन पूछें और ज्यादा समय न लें, इसका भी मैं उनसे अनुरोध करूंगा। श्री प्रमोद महाजन।

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, जैसे आपने सूचित किया उसी के अनुसार गृह राज्य मंत्री ने दो घटनाओं के बारे में वक्तव्य दिया है। केरल के संबंध में क्योंकि हमारे सहयोगी श्री राजगोपाल जी प्रश्न पूछने वाल हैं, इसलिय मैं अपने स्पष्टीकरण के प्रश्न केवल मालेगांव तक ही सीमित रखना चाहूंगा।

महोदय, मालेगांव शहर में यह कोई पहला साम्प्रदायिक दंगा नहीं है। इस शहर का साम्प्रदायिक दंगों का एक पुराना इतिहास है। स्वतंत्रता के बाद यह आठवां साम्प्रदायिक दंगा है और इस इतिहास के प्रकाश में 19 जुलाई को मालेगांव में हुए साम्प्रदायिक दंगे के संबंध में जो गृह राज्य मंत्री का वक्तव्य है वह आधा-अधूरा और असन्तोषजनक है।

मैं इससे नाराज नहीं हूं कि मालेगांव का वक्तव्य एक पृष्ठ का है और केरल का वक्तव्य दो पृष्ठ का है। मैं इससे भी नाराज नहीं हूं कि गृह राज्य मंत्री केरल में तो स्वयं जाकर आए लेकिन मालेगांव में वे नहीं गये हैं। हो सकता है केरल उनका गृह राज्य है इसलिए वह गय हों। वैसे गृह मंत्री का महाराष्ट्र गृह राज्य हैं वे भी महाराष्ट्र जाते तो अच्छा होता। लकिन निवेदन छोटा है या बड़ा है, मैं इस विषय में नहीं जाना चाहता हूं। यह पूरा निवेदन जो केवल 3 परिच्छेद का है, यह घटनाओं का आधा-अधूरा मिला हुआ वर्णन है। इसमें उस घटना की सारी जो जांच है, उसका निष्कर्ष है, इसके संबंध में कुछ नहीं कहा गया है। इसलिए इस पृष्ठभूमि में मंत्री महोदय से मैं कुछ स्पष्टीकरण चाहूंगा जो मैंने प्रश्नों के रूप में ही बनाए हैं।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से सबसे पहले यह जानना चाहूंगा कि क्या 19 जुलाई को जो मालेगांव बंद घोषित हुआ उसके प्रचार के लिए 18 जुलाई को बंद के संबंध में मालेगांव में कोई बड़ी भारी जनसभा हुई थी? मेरी जानकारी में एसी जनसभा हुई थी जहां गृह राज्य मंत्री के वक्तव्य में जिस जनता दल के विधायक का उल्लेख है उसी विधायक के भाषण हुए थे बहुत भड़काऊ भाषण था। मैं इस संबंध में यह जानना चाहूंगा कि निकलने वाले मोर्चे की पूर्व सूचना जो बहुत बड़ी जनसभा हुई जिसमें जनता दल के विधायक ने भड़कीला भाषण किया जिस शहर का हर दो तीन साल दगों के बाद का इतिहास है, तो महाराष्ट्र सरकार की पुलिस ने 18 जुलाई की इस जनसभा पर क्या कार्यवाही की इस पर रोक लगाई, इसके भाषण सुने उसका विश्लेषण किया, उससे होने वाले दंगों का अन्दाज लगाया? क्यों कि हमारा आरोप यह है कि 18 जुलाई के भाषण जिन लोगों ने सुने हैं उन भाषणों के आधार पर निश्चित रूप, से कहा जाता है कि 19 को जो दंगा हुआ यह अचानक दंगा नहीं था सुनियोजित था। कहना गलत होगा यह सुनियोजित था, पूर्व नियोजित था, षड्यंत्र था। उस दंगे की तैयारी 18 जुलाई की जनसभा में लोगों को भड़काने के लिये की थी। न गृह राज्य मंत्री के व्यक्तव्य में इसका उल्लेख है और न के महाराष्ट्र सरकार का इस पर कोई क्रियान्वयन है और न कार्यवाही की है। इसलिय मेरा स्पष्टीकरण यह होगा कि गृह राज्य मंत्री जी इस 18 जुलाई की जनसभा के बारे में क्या जानते हैं, जो दूसरे दिन शुरू हुए दंगे का मूल कारण है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, दूसरा सवाल स्पष्टीकरण के रूप में यह पूछना चाहूंगा कि मालगांव बन्द के लियें जो मोर्चा निकला, क्या उस मोर्चे के लिए जनता दल ने या जनता दल के उस विधायक ने कोई पूर्व अनुमति मांगी थी? इसी वक्त राम जन्म भूमि के संबंध में भी एक मोर्चे के लिय अनुमति मांगी गई थी। क्योंकि इस प्रकार शहर में साम्प्रदायिक दंगों का इतिहास है, इसलिये राम जन्म भूमि के समर्थन में मोर्चा निकालने वालों से पुलिस द्वारा यह कहा गया कि इससे शान्ति भंग होगी, इसलिए आप मोर्चा मत निकालो। जो निर्णय राम जन्म भूमि के समर्थन में मोर्चा निकालने वालों पर लागू हुआ, वह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी पर क्यों नहीं लागू हुआ? अगर राम जन्म भूमि के लिए मोर्चा निकालने वालों पर पाबन्दी लगाई गई, तो बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी पर भी भी जो मोर्चा निकालना चाह रहे थे, जिन्होंने बिना अनुमति के मोर्चा निकाला उनको जल्दी से क्यों नहीं रोका गया?

मेरा तीसरा प्रश्न यह है कि मोर्चा किल्ला-जोपादपट्टी से एस. डी. एम. के कार्यालय पर गया यह गैर कानूनी था ही, भड़काऊ भाषणों के बाद निकला था क्या गृह राज्य मंत्री जो को इस बात की जानकारी है, क्या मुझे इस का स्पष्टीकरण दे सकते हैं कि यह मोर्चा अनावश्यक रूप से हिन्दू बस्तियों में चला गया। जो हिन्दू बस्तियां रास्ते पर आती नहीं थीं, जिन बस्तियों में जाना आवश्यक नहीं था, मोर्चा सीधा अपने स्थान से ए. स. डी. एम. के कार्यालय पर जा सकता था, ऐसा होते हुए भी यह मोर्चा जानबूझ कर हिन्दू बस्तियों में आखिर क्यों गया और जब वह हिन्दू बस्तियों में... (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीतसिंह अहलूवालिया (बिहार): गलत बात है। आप हिन्दू बस्तियों और और मुस्लिम बस्तियों की बात क्यों करते हें? (व्यवधान) क्यों आप मालगांव को बस्तियों में बांट रहे हैं (व्यवधान) यह गलत बात है।

श्री प्रमोद महाजन: कोई गलत बात नहीं है।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: जिस पर पर्दा डालने की जरूरत है उसको उभारकर आप दंगा कराना चाहते हैं... (व्यवधान)...

श्री प्रमोद महाजन : पर्दा डालने से दंगा नहीं रुकता है।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): अहलुवालिया साहब बैठिए... **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया) : हिंदू बस्ती और मुस्लिम बस्ती.. **(व्यवधान)** हिंदू और मुस्लिम का सवाल कहां है। सवालात पैदा कर रहे हैं हिंदू और मुस्लिम का ... **(व्यवधान)** ...

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): मैं अनुरोध करूंगा कि बैठ जाइये। जो बोल रहे हैं उनसे भी मैं अनुरोध करूंगा कि जो उत्तेजना है... **(व्यवधान)**... आप जरा संयम रखिए' बैठिए...

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : एक्सपंज किया जाए ऐसी बात को रिकार्ड से ..

श्री प्रमोद महाजन : क्या एक्सपंज किया जाए... **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): प्रमोद जी, केवल एक मिनट बैठिए...

श्री प्रमोद महाजन : मैं प्रश्न बदल कर पूछता हूं। मैं किसी धर्म का नाम नहीं लूंगा। **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (**श्री शंकर दयाल सिंह**): ठीक है आप बैठ जाएं ... **(व्यवधान)** ... जाधव जी बैठिए ... **(व्यवधान)** ... मैं जब खड़ा हूं तो आप रुकिए। आपका नाम है। आप जानते हैं कि आप बोलेंगे। मरी बात सुनें। बात यह है कि सदन की कार्यवाही शांति और मर्यादा से चलनी चाहिए। यह आप सब जानते हैं ... **(व्यवधान)** ... मैं केवल यह अनुरोध करूंगा कि अगर किसी को कोई चोट लगे उस तरह की भाषा का प्रयोग न करते हुए अपनी बात तथ्य रूप से रख दे। मैं प्रमोद जी से अनुरोध करूंगा कि जल्दी से समाप्त कर दें... **(व्यवधान)** ... जहां तक रिकार्ड की बात है मैं रिकार्ड में देख लूंगा।

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र) : जहां से मोर्चा गुजरा, जिस रास्ते से, वहां हिंदू और मुस्लिम दोनों मिक्स रहते हैं... **(व्यवधान)** ...

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : जाधव जी आपका भी नाम है... **(व्यवधान)** गौतम जी आप बैठिए... **(व्यवधान)**... अब आप तो बैठ जाएं। इनको आप पूरा करने दीजिए.. **(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन : क्या यह निकला हुआ मोर्चा एक विशेष सम्प्रदाय से संबंधित था जो दूसरे विशेष सम्प्रदाय की बस्ती में से अनावश्यक रूप से चला गया। मैंने किसी धर्म का नाम नहीं लिया है... **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया :*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : अहलुवालिया जी आप बैठिए। देखिए, बीच में जो भी बोला जाएगा, रिकार्ड पर नहीं जाएगा,। मैं कह रहा हूं कि जिन सदस्यों का **नाम है... (व्यवधान)** आप भी बोलेंगे। मैंने जब खुद निवेदन किया तब आपको उत्तेजित होने की आवश्यकता नहीं है। आप समाप्त करें। आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री प्रमोद महाजन : मुझे समाप्त करने का अवसर तो मिले।

मैं चौथा प्रश्न यह पूछना चाहूंगा कि जब मोर्चा मालेगांव में शिवाजी की मूर्ति के पास पहुंचा तो क्या मोर्चे में रहे लोगों ने शिवाजी की मूर्ति पर जूते फेंके जिससे शहर में तनाव बढ़ा ? **(व्यवधान)**

*Not recorded.

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :*

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया :*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): चलिए समाप्त करिए ।

श्री प्रमोद महाजन : शिवाजी की मूर्ति पर जूतों के ढेर लगे हुए हैं . . (व्यवधान)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री :*

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : जाधव जी आपका भी नाम है, आप भी बोलिएगा ।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री :*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengali): Sir, I have a submission... *(Interruptions)* .. . I seek your ruling... *(Interruptions)*... We are asking clarifications. We are supposed to ask clarifications on 'he basis of the statement issued by the Minister and while seeking clarifications we have to base ourselves on the information supplied. Sir, I submit most humbly to you and to the entire House including my friends on the other side that while seeking clarifications, we all should try to ensure that peace and sanity prevails in the country. While seeking clarifications, if we refer to certain incident which are likely to injure the sentiments of a particular community, will that help? *(Interruptions)* Let us speak of the responsibility of the police of the State Administration and the irresponsibility of those agencies. Instead of doing that, if we refer to certain incidents which are likely to inflame the sentiments, that is not going to help anybody.

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : बस, ठीक है,। माननीय सदस्य श्री गुरुदास दासगुप्त जी ने जो कहा है, वह उन्होंने जो बात कही है, मैं समझता हूं कि आगे जो भी बोलेंगे इसको ख्याल में रखेंगे कि किसी तरह की ऐसी बात न हो । (व्यवधान) मेरी बात सुनिए ।. . . (व्यवधान) . . .

श्री विष्णु कान्त शास्त्री (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है । (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : ठहरिए एक सैकण्ड । मैं किसी को एलाउ नहीं कर रहा हूं ।. . . (व्यवधान) मैं किसी को एलाउ नहीं कर रहा हूं । . . . (व्यवधान) श्री शास्त्री जी, बैठ जाइये ।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : मैं एक बात जानना चाहता हूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : शास्त्री जी, बैठ जाएं । सुनिए, मैं किसी को एलाउ नहीं कर रहा हूं । केवल जिनका नाम है मैं केवल उनको एलाउ कर रहा हूं ।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है . . (व्यवधान)*

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : बात खत्म हो गई । मि. फर्नांडिस ।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : उपसभाध्यक्ष जी, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।. . . (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): श्री फर्नांडिस ।. . . (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : उपसभाध्यक्ष महोदय मेरा एक वाक्य पूरा नहीं होने दिया जा रहा है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : ठीक है. . . (व्यवधान) आप दोनों तो बैठिए । शास्त्री जी, आप बैठ जाइये ।

श्री प्रमोद महाजन : उपसभाध्यक्ष महोदय . . . (व्यवधान) आप घड़ी देखिए, दस सैकण्ड से ज्यादा नहीं लूंगा ।

*Not recorded!.

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): चलिए बोलिए ।

श्री प्रमोद महाजन : अगर मुझे सत्य नहीं कहना है ... (व्यवधान) सारे हाउस को बताना नहीं है ... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): ठहरिए, ठीक है ... (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : कि मालेगांव में दंगा हुआ ही नहीं है, क्या सत्य है, यह कोई स्पष्टीकरण होता है ? ... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): नहीं, आपने बहुत समय लिया ... (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन अगर आप मुझे समय दें तो मैं बोलूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): चलिए बोलिए ।

श्री प्रमोद महाजन : मैं एक और स्पष्टीकरण चाहूंगा कि क्या यह सच है कि इस मोर्चे ने जो नारे दिए गए "बाबरी मस्जिद हमारी, नहीं राम के बाप की" क्या इस प्रकार के नारे के कारण यह दंगा हुआ ? क्या जिस विधायक के नेतृत्व में यह दंगा हुआ? व क्या यह सच है कि दो वर्ष पूर्व इसी विधायक ने एक गणेश जी की मूर्ति को लात मारी थी और उसके कारण वहां पहले भी दंगे की स्थिति थी ? (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : अच्छा, आप बैठिए, चलिए हो गया ।... (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: That cannot be allowed... (Interruptions)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, ... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : आप बैठिए, मेरी बात सुनिए । ... (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I soy this is a frenzy. This cannot be allowed... (Interruptions)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : माननीय उपसभाध्यक्ष जी (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : आप बैठिए, आप बैठिए। प्लीज बैठिए (व्यवधान) ठहरिए.. (व्यवधान) देखिए, मेरी बात सुनिए । ठहरिए ठहरिए, इसका उत्तर (व्यवधान) नहीं नहीं, रुक जाइये । मैं किसी को एलाउ नहीं कर रहा हूं (व्यवधान)

कुमारी सरोज खापर्डे :*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): आप बैठिए, ... (व्यवधान) मान जाइये, जो भी आपत्तिजनक बात आई होगी मैं रेकार्ड में उसको देखूंगा (व्यवधान) देखिए, मैं रेकार्ड में देखूंगा। मंत्री महोदय उसका जवाब दे रहे हैं। एक भी आपत्तिजनक बात होगी तो मैं उसे रेकार्ड में देखूंगा और उसे हटाऊंगा ।... (व्यवधान) श्री फर्नांडिस ... (व्यवधान) फर्नांडिस साहब, शुरू करिए । चलिए ।

श्री प्रमोद महाजन : उपसभाध्यक्ष महोदय (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): आपने बहुत समय लिया, अब मैं समय नहीं दे रहा हूं। आपने सारा समय लिया, अब मैं समय नहीं दे रहा हूं। ..(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : मुझे कोई समय नहीं दिया है। हर पांच सैकंड के बाद मुझे रोक रहे हैं। मेरा एक अंतिम प्रश्न है मैं माननीय मंत्रीजी से पूछना चाहूंगा कि ... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) देखिए, आपको बहुत समय दिया है । . (व्यवधान) आप लोग बैठिए।

*Not recorded.

SHRI ASHIS SEN (West Bengal): Sir, I am on a point of order.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): No, please sit' down... *(Interruptions)* ... I will not allow any point of order. This is "clarifications on the Statement"... (Iutcrruptiona) ... This is no time for point of order.

मैं किसी पाइंट ग्राफ ग्राडंर पर समय नहीं दे रहा हूं किसी को। मैं जब समय दूंगा, तब बोलिए । Please go there. I am not allowing any body... *(Interruptions)* ... Please take your seats ... *(Interruptions)* ...

श्री प्रमोद महाजन : उपसभाध्यक्ष महोदय, इस पूरे वक्तव्य में किसी भी कार्यवाही का हवाला नहीं दिया गया है ... (व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): ग्रापने जो पूछना था, वह पूछ लिया। ग्रब बैठिये ।

श्री प्रमोद महाजन : ग्राप मुझे पांच-पांच सैकंड दे रहें है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : ग्रापने ग्राधा घंटे से ग्रधिक समय ले लिया है ।

श्री प्रमोद महाजन : यह ग्राप मुझ पर ग्रन्याय कर रहे हैं। मुझे दो मिनट नहीं मिले हैं इस पर ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : यह ग्रन्याय की बात नहीं है। ग्रापने ग्राधा घंटे से ज्यादा समय लिया है प्रमोद जी ... (व्यवधान) ...

श्री प्रमोद महाजन : इस वक्तव्य में पुलिस की कोई कार्यवाही की बात नहीं है, न न्यायिक जांच की बात है ग्रौर न मुख्य मंत्री वहां गये हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : ठीक है, बैठिये ।

श्री प्रमोद महाजन : इतनी बड़ी दुर्घटना होने के बाद गृह मंत्रीजी एक ऐसा वक्तव्य लेकर ग्राये हैं जिसमें किसी प्रकार की जांच... (व्यवधान) ...

SHRI JOHN F, FESRNAHDES (Goal) Mr. Vice-Chairman, Sir, this House has already... (Interruptions)...

श्री प्रमोद महाजन : यह कोई बयान है जिसका कि कोई ग्रर्थ नहीं है, कोई पूछने वाला नहीं, मुख्य मंत्री वहां जाते नहीं, न ये कि ग्राप क्या जांच करने वाले हैं ? केरल में तो जांच कर ली; इसमें क्या जांचा ग्रापने ? ग्रगर ग्राप जांच करते तो... (व्यवधान)...नौबत ही नहीं ग्राती ।... (व्यवधान)...

उपसभाध्यक्ष (शंकर दयाल सिंह) : ग्राप ग्रपनी सीट पर जाइये ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI-SHANKAR DAYAL SINGH): Please go there. Mr. Femandes... (Interruptions) ... No, I am not allowing you at all *(Interruptions)* ...

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : मैं नहीं ग्रलाउ कर रहा हूं सेन साहब। न मैं उनको ग्रलाउ कर रहा हूं ग्रौर न ग्रापको ग्रलाउ कर रहा हूं । मैंने उनको ग्रलाउ किया है ।

श्री विष्णु कांत शास्त्री : उपाध्यक्ष महोदय, ग्रापने मुझे बोलने के लिये कहा है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : मेरी बात सुनिये, ग्राप भी बैठिये ग्रौर ग्राप भी बैठिये ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH); Please go to your seats. I humbly request you. Kindly take your seats. Mr. Fer-nandes...

SHRl JOHN F. FERNANDES (Goa): Thank you, Mr. Vice-Chairman Sir. This House has already congratulated the hon. Prime Minister for averting a communal holocaust in the country. Both the Statements

[Shri John F. Fernandas] were made by the hon. Home Minister on the basis of the reports supplied by the State Governments. Law and order being a State Subject, it becomes mandatory for the Central Government t_0 go according to the reports of the State Governments. But I think there should be some exceptions , to the rule. Whenever there is a law and order problem in a State, the State Government requests the Union Home Minister for providing security. In the esse of Kerala, the hon. Minister has mentioned that Central Industrial Security Force and Central Reserve Police Force $unit_s$ have been provided. I want to know from the hon. Home Minister whether in view of this contingency, whenever there are any imminent communal riots in the country, any diractive has been issued by the Home Ministry to the State Governments. Again, the hon. Minister has mentioned that in Kerala, about three thousand people had marched to the airport. But he has not mentioned the name of any organization. May I know whether this organization was a registered organization and whether permission was taken from the State Government. It was also mentioned in the Parliament that the communal organization—Islamic Sevak Sangh—is funded by a foreign nation—intelligence agency of a foreign nation. May I know from the hon. Home Minister whether the Government have any intelligence report to prove or to substantiate the charge and what action the Government has taken on this.

Sir, as far as Maharashtra is con cerned, the Statement sayi that the loss to the properties was estimated at about Rs. 1.5 lakhs. Nothing has been mentioned as far as Kerala is concerned. My fear is that properties worth crores of rupees were lost in the communal riots. May I know from the hon. Home Minister as to what is the amount of loss in Kerala and whether this loss will be compensated by the State Government or also by the Central Government.

Thank you, Sir.

6.00 P.M.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : उपाध्यक्ष महोदय, यह मालेगांव, महाराष्ट्र और केरल में दंगे के संबंध में जो वक्तव्य गृहमंत्री जी का आया है, वह राज्य सरकार ने जो सूचना दी है उसी के आधार पर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि दंगे चाहे मालेगांव में हों, चाहे केरल में हों, चाहे देश के किसी कोने में हों, यह सांप्रदायिक दंगे हमारे समाज को, हमारे देश को कलंकित करने वाले हैं। इससे जो तनाव फैलता है, जो स्थिति होती है उससे कितना नुकसान होता है, मानव मानव के खून का कितना प्यासा हो जाता है, यह सोचकर और जो पिछले दिनों घटनायें हुई हैं उनके बारे में सोचकर के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। किन्तु, एक बात सही है कि अयोध्या में जो कुछ हो रहा था, इधर हमारे प्रधानमंत्री जी के प्रयास से जो स्थिति बनी है, उससे लगता है कि देश के अन्दर जो एक तनाव की स्थिति पैदा हो रही थी, उसमें कुछ कमी आयेगी। इस वक्तव्य के आधार पर जिस तरह से हमारे इस माननीय सदन के कुछ सम्मानित सदस्य जो प्रदर्शित करना चाहते हैं. . .

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : अब यादव जी, सवाल पूछिये।

श्री राम नरेश यादव : मैं सवाल पर ही आ रहा हूं, महोदय। तो उसके आधार पर मैं यह कहना चाहता हूं कि वास्तविकता यह है कि दंगे तो दंगे हैं। इस मामले पर हमें राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए और देश की सावरण्टि को ध्यान में रखते हुए जब ऐसी घटनाएं हो जाती हैं तब हमको विचार करना चाहिए क्योंकि प्रश्न यह भी खड़ा हो जाता है कि दंगे हो जाने के बाद कैसे शान्ति व्यवस्था हो, कैसे लोगों को राहत मिले। इसलिए इस आधार पर माननीय मंत्री जी से मैं जानना चाहता हूं कि यह जो जुलूस निकालने का मामला आया, जो भारतीय जनता पार्टी "एक्शन डे" मना रही थी, क्या इन्होंने कोई

परमीशन ली थी ? अगर परमीशन नहीं ली थी तो यह जानते हुए कि तनाव है, क्या प्रदेश सरकार ने कोई कार्यवाही पहले से की थी ? यह योजनाबद्ध रूप से जिस तरह किया गया, उसकी तरफ भी सरकार का ध्यान जाना चाहिए। यहां तक सहायता की बात है, इतना जरूर कहना चाहता हूं कि इस समय चाहे वह मालेगांव हो, चाहे यहां का मामला हो, एक बात सरकार को जरुर ध्यान में रखनी चाहिए राष्ट्रीय स्तर पर, कि यहां कहीं भी सांप्रदायिक दंगे ऐसे हो जाएं वहां का जो जिलाधिकारी है, प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय सरकार को चाहिए, ऐसा मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी यह बात आई होगी, ऐसे प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी माननी चाहिए, जहां पर भी इस तरह के दंगे हो जाते हैं, जो हमें कलंकित करते हैं, देश को कलंकित करते हैं और हमारी राष्ट्रीय एकता पर आघात पहुंचाने का काम करते हैं। इसलिए इस दिशा में सरकार को सोचना चाहिए और हम चाहेंगे कि गृहमंत्री जी इस तरह की कोई गाईडलाइन भी जारी करें, जैसा कि एक माननीय सदस्य कह रहे थे। मैं यह जानना चाहूंगा गृहमंत्री जी से, कि इस संबंध में क्या-क्या गाइडलाइन तैयार की हैं और तैयार करके क्या-क्या दिशा-निर्देश राज्य सरकारों को दिए हैं ? यह भी आपको सदन को बताना चाहिए ।

श्री संघप्रिय गौतम : (उत्तर प्रदेश) : जब एम०एल०ए० या एम०पी० दंगा करवायें तब क्या होगा ?

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : आप तो कृपया बैठें ।

श्री राम नरेश यादव : गौतम जी, अगर गौतम जी का भी हाथ हो तो गौतम जी को भी जेल के अन्दर भेजना चाहिये या सदन का कोई भी सम्मानित सदस्य ऐसा करे, उसको जेल भेजना चाहिये ।

श्री संघप्रिय गौतम : जिस पार्टी के यह एम०एल०ए० है. उस पार्टी का क्या होगा ? . . . (व्यवधान) . . .

श्री राम नरेश यादव : यह पार्टी का का सवाल नहीं है । पार्टी से उपर उठकर देश का सवाल है. . . (व्यवधान) . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : गौतम जी, शांति रखिये ।

श्री राम नरेश यादव : जब सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश होती है तो उस पर जिस तरह से हो सके अंकुश लगाने का प्रयास होना चाहिये और जहां आग जलती हो वहां आग में घी डालने का काम नहीं होना चाहिये बल्कि उसको बुझाने काम का होना चाहिये । यह स्थिति इस समय है । इसलिये मैं कहना चाहता हूं कि शांति समितियों के माध्यम से वहां पर शांति बनाने के प्रयास किये जाने चाहियें । उस प्रयास के साथ-साथ जो कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्र हैं, उसमें जो लोग रह रहे हैं, उनकी तरफ भी मानवीय मंत्री जी को ध्यान देना चाहिये ताकि आवश्यक वस्तुयें उन्हें उपलब्ध हो सकें । सांप्रदायिकता, जो देश की दुश्मन है, उससे निपटने के लिये कठोर से कठोर कार्यवाही सरकार को करनी चाहिये । मैं समझता हूं कि हमारी सरकार, केन्द्रीय सरकार इसमें सक्षम है, इस बात को ध्यान में रखते हुये क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं, उससे भी सदन को अवगत कराया जाना चाहिये । मैं आपके माध्यम से माननीय गृहमंत्री जी से यही निवेदन करना चाहता हूं । धन्यवाद ।

SHRI ARANGIL SREEDHAitAJSi (Kerala): Sir, this country is passing through a very critical period pregnant with explosive possibilties. So, we have to look at the whole problem from a more objective point of view.

Sir, the riots have taken place in Kerala and Malegaon. Let us not for a moment think that they are isolated incidents. Communal virus is spreading all over the country. And this statement made by the Home Minister does not make any reference to it

Kerala, Sir, is reputed for communal amity, religious tolerance and co-existence in peace. When other parts of the country were plunged

[Shri Arangil Sreedharan]

into communal confrontation with communal riots, my State was comparatively peaceful Why did the situation change over-night? We have a history, Sir, of toleranpe. Our President, the other day, pointed out that Christianity came to Kerala before it went to Europe. Arabs came to Kerala before they became Muslims. And the whole historical background is being lost, and the living understanding between the communities is being destroyed. The Minister, in his statement, should have pointed out how this turning point took place. When I look back, I feel that the turning point took place during the Ekta Yatra organised by the BJP. At that point of time, in this House and the other House, Members have pointed out that this danger is looming large over the horizon. *{Interruptions')*

श्री विष्णु कांत शास्त्री : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, जवाब पूछे गये हैं, इनके ऊपर, "एकता यात्रा" यहां कहां से आती है ? (व्यवधान) माननीय गृह मंत्री जी ने जो वक्तव्य दिया है उस पर सवाल पूछे जायें । (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): इस तरह की बहुत सी बातें आती रहती हैं, होने दीजिये । (व्यवधान)

SHRIARANGIL SREEDHARAN: That is the assessment of the situation whether you like it or not. I know this may not suit you.But I have to speak the truth. (Interruptions) After that, Sir, there has been a deterioration. 3,000 people went to the airport. I condemn the activities of that organisation called ISS. I am not condoning them. But I would like to point out that the ISS is a reaction of the RSS. RSS and ISS are the two sides of the same coin. That is how it has happened. To say that it has happened unexpectedly, I think, is a deviation from truth. My complaint is against the State Government. The State Government was aware of the situation. They knew that the' things were going to happen. But they did not do anything because the State police force at the highest point is a house divided against itself due to the favouritism shown to certain officers by the Government. So, they have lost the will to act with the result these communal riots took place. But if it has not spread to the North Kerala, it is because— I would like to pay a tribute to the Muslim League—of the constructive attitude taken by the Muslim League. Otherwise, it would have spread in Malappuram also. The other political parties in the North Kerala also took a constructive stand. The situation is becoming more explosive and dangerous as the days pass by. And I would like to point out that the minorities in my State, as elsewhere, are living in constant fear. Let us not try to ignore that truth. When something is happening in Ayodhya, it is not confined to Ayodhya. The climate is spreading to other parts of the country. Those who love India, those who stand by India, those who swear by India should see that it does not spread all over the country.. And the Minister has not cared to share all this information with us. So, I would like to seek certain clarifications. Fundamentalist organisations are working in this country in various parts of the country. What happened in Kerala was a projection, was areaction of it. I would like to know whether the Government'ls taking steps to keep a vigil over the activities of the fundamentalist organisations and if so, what steps are being taken. Secondly, 'I would like to know whether the Central Government has given any directions to the State Governments, including the Government of Kerala to watch the situation. Have they formulated any plan of action and given the guideance to the State Government? If so, what is that plan of action? What steps the Government and the political parties can take or the Government can help them take to create a climate of security among the minorities so that they may not live in a constant fear? These are my clarifications from the Home Minister. Thank you, Sir.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, the hon. Minister of State for Home has made two statements on these two incidents. Both these incidents are the fallout of the Ayodhya issue, whether it is the RSS, the VHP and the Bajrang Dal on the one side and Muslim organisations on the other side which are involved. Sir, time and again, in this House, hon. Members have raised the issue that building of a Ram temple at Ayodhya violating the court order by the BJP Government in U.P. will create communal disrarmony in the country.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN (Madhya Pradesh): Are you justifying the violence?

SHRI V. NARAYANASAMY: This is the attitude of the fundamentalist forces which get identified through this. Now, the Prime Minister has taken the initiative and I am very happy that BJP has been proved to be a party in U.P. which has no hand in the construction of the Ram temple. and they have been isolated, and I am very happy about it... *(Interruptions)* .

श्री लक्खीराम अग्रवाल (मध्य प्रदेश): उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ। कांग्रेस राज्य में हुआ– केरल और महाराष्ट्र में।

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव :.. (व्यवधान) आपने वही करवाया।... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : देखिये, बीच में किसी तरह की बात न हो।...(व्यवधान)...सुनिये, कोई बीच में बात हो तो वह रिकार्ड पर नहीं जाये। ..(व्यवधान)

श्री राम नरेश यादव :*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : राम नरेश जी, बैठिये। कितने अच्छे ढंग से बड़े सोबर तरीके से बोल रहे हैं। मैं समझता हूं उनको भी सोबर रहने दीजिये ।

*Not recorded.

Today he is very sober.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :*

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : बीच में जो भी बातें कहीं जायें, वह रिकार्ड पर नहीं जायेंगी ।

SHRI V. NARAYANASAMY; I am , really pained because this is a very sensitive issue. The statement by the hon. Minister, as I said earlier, is a fall out of the Ayodhya issue. But in spite of that, some of the hon. Members are making provacative statements in this House ond are trying to create a situation whereby communal tension should spread to other States. This is a very state of affairs. It is time for the people of this country, the political leaders and the BJP leaders to keep restraint s_0 that people could live in harmony in the country. You can make political capital out of it during the election time if you want, but not at all the times.

I now come to Kerala incident. Straightaway I am coming to questions on the Kerala incident. I will not take much time of the House. I have only four questions to ask. The hon. Minister stated that about 3060 persons marched to the airport on the 18th July. I want to know whether they belonged to any organisation of any religious community and' if the State Government had a prior information about people gathering there at the airport, why the State Government could not take preventive action to disperse those people which resulted in communal clashes in Thiruvananthapuram. Sir, the Minister stated that in the second incident at Kesavadasapuram, one person was killed and three persons were killed due to police firing. In that incident..

SHRI N. E. BALARAM (Kerala): Not in Keshavadasapuram.

SHRI V. NARAYANASAMY; The Minister has said in his statement 'Keshavadasapuram'.

SHRI N. E. BAL ARAM: It is wrong I know. I do not know from where he got this information. I stay in Keshavadasapuram. Mind you. He is not there.

SHRI V. NARAYANASAMY: This incident also could have been everted. When people were gathering when religious sentiments were running high between the two communities, it could have been prevented. Why did not the State Government take steps earlier to prevent the in-cindent?

Another question is, whether any peace Commitee was formed? When two incidents had taken place in which four people were killed—three in police firing and one in a stabbing incident—may I know whether any peace committee was formed, consisting of the representatives of the two communities and other political groups, so that peace could prevail in the area?

Then, the hon. Minister has said that a Commission of Inquiry under a Member of the Board of Revenue has been constituted. I would request the hon. Minister. He should persuade the State Government to order a judicial «inquiry. This enquiry by a Member of the Board of Revenue would not ser- , ve the purpose of going into the causes °f the incident and identifying the persons involved therein. Moreover, a judicial enquiry would suggest the ways and means to prevent the recurrence of such incidents in future .

In regard to compensation, why was no interim compensation given to the families of the victims? The State Government could have given some interim compensation. *(Time-bell rings)*

SHRI M. A. BABY (Kerala): The Government is bankrupt.

SHRI N. E. BALARAM: There is no money.

SHRI V. NARAYANASAMY; They have inherited your legacy. You were ruling there earlier. (Interruptions,)

You left the Government bankrupt. They are managing it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): Mr. Narayanasamy, you ask your questions.

SHRI V. NARAYANASAMY; I know about the financial position of the Nayanar Government. 1 know that.

SHRI N. E. BALARAM: Now, they have no money.

SHRI V. NARAYANASAMY: My question is, why was no payment made to the families of the victims, by way of interim compensation? *(Time-bell rings)*

In regard to the Malegaon incident, may I know how many persons were arrested? How many persons are still in custody? Is the Janata Dal MLA who was arrested still in custody or not?

AN HON. MEMBER: Released.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): Shri Baby. *(Interruptions)*

SHRI M. A. BABY; Thank you very much, Mr. Vice-Chairman. Sir, for having remembered me, though late.

Sir, I would like to confine myself to seeking clarifications only. But having heard some of the exchanges in the House, with a heavy heart, I am forced to refer to the way in which we react to these unfortunate incidents which happen in our country. Sir, when we discuss the whole question of dealing with the communal clashes in our society, unless the politicians—who are, fortunately, or, unfortunately, in the present-day situation, destined to take charge of the destiny of the country—display some minimum amount of decorum, dignity and a sense of responsibility, it would be highly difficult for any Government to control such incidents. We have political differences. We will

continue to have political differences. My very good and respected friend, Shri Pramod Mahajan, spoke earlier. I do not want to make any observations. But Sir, in our House, there were occasions when, because of some initial encouragement or hint, Members make some references not becoming of a Member of this House, later on, in a dignified manner,...

श्री प्रमोद महाजन : मैं अंग्रेजी नहीं समझता : यह कोई भाषा है कहने की ...(**व्यवधान**) मजाक मत करो, मजाक नहीं है ... (**व्यवधान**)

What does he mean by saying that it it unbecoming of a Member.

SHRI M. A. BABY: This time I am not referring to you. What I have said is that there were occasions...

श्री विष्णु कांत शास्त्री : उपदेश देने का ठेका इनका है क्या . (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : देखिए, बीच में कोई बात होती है तो वह रेकार्ड पर नहीं जा रही है, ईंटरप्संस मैं फिर एक बार फिर प्रार्थना करता हूं कि आप लोग मैन प्वांइट पर आयें। महाजन जी, आप एक बात सुन लें। बेबी जी कोई आपत्तिजनक बात नहीं कहते हैं : यदि उन्होंने कोई आपत्तिनजक बात कही हो तो आप अच्छी तरह से जानते हैं कि जिस तरह के ये सदस्य हैं अगर कोई भी आपत्तिजनक बात कही होगी तो स्वयं उसके लिए उनको खेद होगा। ...(**व्यवधान**)

श्री प्रमोद महाजन : कोई और कहता तो मैं बीच में खडा नहीं होता।

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh); We know that Mr. Baby is not a baby.

SHRI M. A. BABY: My point is, I am not exempting any political party, any Member. There had been occasions when due to heat of the moment something had been said whether from my party or from any other party, but later on we used to withdraw that and we used to try our level 'best to restore amity. Whenever we refer to some communal incidents, we never say that some people attacked the temple or some people attacked the masjid, we say that some people tried to desecrate a worship place or one section of the people tried to attack another section of the people. It has become a practice of the press. Journalists also make references in that manner. This is what we have been following, and now I refer to Pramod Mahajanji. Unfortunately, today Mahaianjj referred to certain highly respected individuals and this was objected to very justifiably by some other sections of the Members-Therefore, my humble submission is, when we deal with political affairs or when we make references to individuals in the House, we should maintain certain decorum. I do not think Mahajanji would have deliberately made those references. He might have unwittingly done so, but he could have better said: "Some people tried to hurl shoes and chappals at the portrait of a very respectable, national leader of Maharashtra or Marathwada region or India. That would have been in the fltness of things.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Shivaji Maharaj is the inspiration of Maharashtra.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: Those who insulted Shivaji Maharaj cannot be condoned.

श्री विष्णु कांत शास्त्री : क्या केवल बी.जे.पी. के संबंध में कोई कडवी बात होगी, अपमानजक बात होगी तो वह सही मान लेनी चाहिए ? आप लोग ऐसा ही व्यवहार करते हैं ?

श्री प्रमोद महाजन : एक सम्मानतीय राष्ट्रीय नेता की मर्यादा पर कुछ लोगों ने कुछ फेंका।

SHRI M. A. BABY; Now I would come to the questions and queries. I would like to confine myself to the

[Shri M. M. Baby] incidents at Trivandrum, though, as has been rightly mentioned, both the incidents are inter-connected. The most shocking aspect of the whole incident at Trivandrum, that is Poon-thura, is that the State Government had the information, had the intelligence report, well two weeks in advance. In spite of that this has happened. And even according to the statement of the Minister, the incident took place on July 19, but there were two important incidents taking place on July 18 and July 20, preceding the day of the actual incident and immediately after the communal holocaust that has taken place. So, even if there had been no secret report with the State Government, naturally when the State Government had the information that a demonstraion Was being taken out by a section of the people on the 18th and there was a call for another on the 20th, the utmost vigilance should have been there on the part of the State Administration—which was not there in this particular case. Sir, I refer to a report which appeared in the *Matrubhoomi* of 22nd July. I may not have to mention about the *Matrubhoomi*, 5t is a national daily. It developed as a part of the freedom movement in Kerala and it is, more or legs, like a mouthpiece of the Congress today. This paper on the 22nd reports. ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH) t No, no, don't read. That is enough.

SHRI M. A. BABY; I am not quoting, I am only referring to this report which, I hope, the hon. Minister of State for Home Affairs, Mr. Jacob, is already aware of. The heading is, "THIS IS THE PACE OF INDIFFERENCE". This is in reference to the action or inaction of the State Government. This report says that 15 days before the incident, the State Government had information—a secret report—regarding the possibility of a communal flare-up in this area. I would like to know whether this is a fact or not. This is my question and I hope, unlike the earlier practice, at least this time, on this most sensitive issu the hon. Minister would be in. a positio to give pointed replies to the pointe question that we pose.

Sir, my second question is whether ther there was a delay in sendin the police to the spot of the inrider after the informotion was given t the State Administration. Here, the logistics of the area is also very cix cial. Poonthura is an area adjacen to the State capital, and the who incident took place within a radiui of two kilometres. Within less tha half an hour the police force coule have been rushed to this spot. Wha has happened is, there is no refer ence in the statement as to whe the information was received by th Administration and when the polic was rushed. I would like to know these details regarding the time b which the police force was rushe to to the place. According to my infor mation, even though the incider started at ll'clock, it was onl; after two hours that the first batcl of six policemen—this is a matter c shame; this is referred to in th *Matrubhoomi* report also—went an they remained inactive. Only after $3^{1/2}$ hours a battalion of police wai sent, which also remained inactive So Iwant to know from the hoi Minister whether these reports ar correct or not.

Sir, similarly, there are reports. (Time-Bell rings)... Sir, I may by given a little more time because have very many pointed questions t ask.

Sir, there is a report with me tha even on Monday night there wer many incidents of arson, violence an atrocities in the city of Trivandrurr just under the nose of the State Ad ministration. Even at 7 o'clock, 7.3 and 8 o'clock, those who were tra veiling by bus and were gettin down at the State Transport bus ter minal and walking to their places c residence were indiscriminately atta eked. Why, even after the communa flare-up at Foonthura on Sunda:

morning, has the police failed, the State Administration failed to control the situation and how is it possible that in the State capital, on Monday, from the afternoon till the evening and up to the noon on Tuesday, unabated violence continued? What was the role of the Administra-tration?

Sir, similiarly, I want to know whether the Government is aware of the massive thefts that had taken place after the incident. According to information available witft me, a criminal gang activated itself and they swung into action and utilized the opportunity. There were clashes between two sections and according to my information, they were not involved in the thefts. They were not involved in thefts. According to reports, these ariminals were well known to the local police. I don't want to say that there is a nexus between them. Anyway, they were in action. Has the State Government taken steps to recover the stolen things, valuables and money? In this area, sir, there are many who have worked in the Gulf areas, Gulf countries. Their hard-earned money, ornaments and 'Valuables kept for marrying off their daughters, money preserved for going abroad in search of jobs—this has been reported, this has been narrated in Press reports —such valuables and money of poor people, lower-middle class people, were taken away. What steps have been taken by the Government to recover the stolen articles and restore them back to those who lost them?

Sir, the situation in Kerala could not be controlled due to various reasons. But I want to know from the Minister whether the Central Government is aware of the total paralysis of the State Government Adminis-tration due to the fact that there was an unfortunate accident in which the Chief Minister was injured seriously and he had to leave the country for treatment Though the Chief Minister first had given the responsibility to one particular leader to act as the Chief Minister, due to internal bickering in Congress, later on in Delhi the Chief Minister made up his mind in favour of anoher leader, and there was confusion. The leader who was first given the responsibility to act as the Chief Minister resigned with a statement that the Chief Minister did not have belief in him. All this has happened. (Interruptions) The whole administration was in paralysis. This is a fact, Sir. So, the Central Government should find out, if the State Administration becomes totally incapable, the Centre should find out. .. (Interruptions)

Though we are opposed to article 356, still that is there as a part of the Constitution.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): Please conclude.

SHRI M. A. BABY: I am serious. I want to know from the Minister about the role and the paralysis of the whole State Administration in dealing with the situation. This I wan* to know.

SHRI M. M. JACOB: Could you yield for a moment?

I understand from the statement and also from my own information that the same arrangement was made when Mr. E. M. Sankaran Nambood-ripad, the then Chief Minister, went to the Soviet Union for treatment, and when Mr. C. Achuta Menon, the then Chief Minister, went to the Soviet Union for treatment, there was the same arrangement. Another person was the Acting Chief Minister.

SHRI M. A. BABY: But, Sir, nobody had resigned. But, here, what has happened is that one person, a senior colleague of Mr. Karunakaran Ministry, was given the responsi-blility. Later on that was taken away. Anyway, I don't want to go into the details.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH); Mr. Baby, please conclude now.

SHRI M. A. BABY; Sir, the present Acting Chief Minister himself has acknowedged the failure of the administration. I want to know from the Minister whether it has been brought to the notice of the Central Government that the Acting Chief Minister himself has admitted liha't there was gross failure on the part of the administraion. There was an open criticism by his own party MLAs in the State Legislature, number one. Also a very important partner of the UDF openly criticised the action of the State Administration. In response to the criticism, the Acting Chief Minister had to admit that there were lapses on the part of the Administration. Whether this has been brought to the notice of the Central Government, I want to know. Similarly, Sir, the role of the ISS..

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: A point of order, Sir. Is the time-limit applicable only to BJP Members?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): No, no, no. There is time-limit for everyone. . . (Interruptions)

SHRI M. A. BABY: Sir, my hon. colleague, Shri Rajgopal, will be seeking clarifications later on. I do not know whether he would clarify to me on this or the Minister will clarify to me on this. I found a statement toy Shri Rajgopal that he had information that the Central Government had information with regard to connection between a neighbouring country and the Islamic Sevak Sangh, ISS. This is a statement by Mr. Rajgopal that he knows that the Central Government is in possession of some secret information.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): Why are you quoting him?

SHRI M. A. BABY: Number one, I want to know whether he stands by that statement or not. I would like to know from the hon. Minister of State for Home Affairs whether the Central Government is in possession of any information in this regard. If so, will he share it with us?

On the other hand, another honourable leader belonging to the same party of Mr. Rajagopal, made a contradictory statement that ISS is a creation of the present Chief Minister of Kerala. This is the statement he has made. Going by the experience of who created Bhindranwale and with what purpose, perhaps, what Mr. Mahajanji has said can also be true. I would like to know what is the information of the Central Government regarding Islamic Sevak Sangh. As has been rightly pointed out by Shri Arangil Sree-dharan, it is the other side of the RSS, the other side of the same coin.

SHRI SANGH PRIYA GAUTIAM: No. RSS is not getting any foreign aid whereas ISS is getting foreign aid.. . (Interruptions-...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH); Mr. Baby, I think now you have finished.

SHRI M. A. BABY: Sir, I am concluding. Thank you very much for your indulgence. As a fall-out of the Trivandrum incident on the 22nd night, two activists belonging to rny party were killed toy RSS people at Nemom. ..(Interruptions)...

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : अगर यह बात उठेगी . . . (व्यवधान) . . .

SHRS PRAMOD MAHAJAN: How many RSS workers were killed by the CPM people? .. *(Interruptions).*

THE VICE CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): Mr. Baby, it is better if you finish.. . *(Interruptions)...*

SHRI M. A. BABY: I want to know from the Minister whether the Central Government is aware of this incident. . ..*(.Interruptions)...*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): 1 think you have already finished'. ..
(Interruptions) _____ Mr. Salim, please take your seat.

श्री विष्णु कांत शास्त्री : कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हाल ही में बंगाल में हमारे दो कार्यकर्ताओं का खून किया है। . . . **(व्यवधान)** . . . जरा बातचीत करने का ढंग इन्हें सिखाइये उपसभापति महोदय।

श्री प्रमोद महाजन : उपसभाध्यक्ष जी, हत्या की राजनीति में सी.पी.एम. सिद्धांतरूप में विश्वास करती है।

SHRI M. A. BABY; I want to know whether the Government is aware of the fact that Mr. Sudarshan and Mr. Santosh, members of a leading opposition party, were murdered as a fall-out of this incident because our party stands for communal amity. As a result of strong opposition, two of our activists were killed and the police inaction in this incident was also very evident. What is the reaction of the Central Government • towards this incident? Thank you, Sir.

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : श्री विश्वासराव पाटिल। देखिए, तीन मिनट से अधिक कोई न जायें।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह कानून तो सब के लिए होना चाहिए।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : कानून सब के लिए बनाया हुआ है। मेरी बात सुनिए, आप बैठिए। कानून सब के लिए बराबर है। मेरा काम सभी सदस्यों को कानून की याद दिलाना है। लेकिन अगर आप भूल जाय तो मैं क्या करूं।

श्री विश्वासराव रामराव पाटिल (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा बोलने वाला नहीं हूं। लेकिन एक बात है कि कई पार्टियां कई प्रश्नों को उठाकर वहां पर साम्प्रदायिकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। यह जो मालेगांव का दंगा है, इसके बारे में मेरे दोस्त प्रमोद महाजन जी ने बात कह दी है कि यह पहली बार नहीं है। यहां पर पहले से ही दंगे होते आए हैं और यह आठवीं बार दंगा हुआ है। इसका कारण कोई दूसरा नहीं है। इसका कारण, जो वहां आर.एस.एस. काम कर रहा है, वह है और वही दंगा फसाद फैलाने में मशहूर है . . . **(व्यवधान)** . . .

I am not yielding. आपको मालूम नहीं है. . **(व्यवधान)** जैन साहब क्या आपको मालूम है? मैं कुछ सुनना नहीं चाहता, मैं नहीं सुनना चाहता।

तो इसके बारे में जब वहां एक रेफेंस दिया गया, जो तीन-चार वर्ष पहले वहां दंगा हुआ था वहां के विधायक निहाल अहमद के बारे में बोल रहे हैं। मैं जैकब साहब को निहाल अहमद साहब के चरित्र के बारे में यह बतलाना चाहता हूं कि इनके अन्दर एक भी ऐसी बात नहीं है। जिस विधायक को अरेस्ट किया गया है उस विधायक का इतिहास क्या है, यह विधायक जितना सेकुलर है, उतना सेकुलर वहां का कोई भी आदमी नहीं है **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): आप अपना सवाल पूछिये तो ज्यादा ठीक रहेगा।

श्री विश्वासराव रामराव पाटिल : बात यह है कि जो चार वर्ष पहले वहां गणपति के उत्सव के समय फसाद हुआ था उसी वक्त मैं वहां मालेगांव में गया था और उस वक्त यह

[श्री विश्वास राव राम राव पाटिल]

हुआ था कि जो ताजिया निकलने वाला था उसके रास्ते पर आर०एस०स०एस० के गणति मण्डल के लड़कों ने ईंटें फैलाई थी वहां रास्ते पर दीवार खड़ी कर दी थी ताकि ताजिया न जा सके। जब वहां से ताजिया पार जाने लगा तो उसी वक्त इन आर०एस०एस० के लोगों ने उनको रोक दिया और दंगा शुरू हुआ। यह उसी का नतीजा है जो मालेगांव में हुआ है। मैं यह चाहता हूं कि 18 तारीख को जो सभा हुई और विधायक ने भाषण किया था उस 18 तारीख के भाषण की टेप आप मंगा लीजिये। मैं यह विनीत करता हूं जैकब साहब आप वह टेप मंगवा लीजिये और सुन लीजिये तो आपको पता चलेगा कि वहां क्या भड़कीला भाषण कर दिया लेकिन यह लोग हाऊस में बोल कर सारे हिन्दुस्तान में यह प्रचार करना चाहते हैं कि कोई मुस्लिम विधायक साम्प्रदायिकता फैलाते हैं। मालेगांव में मुस्लिम बाहुल है, उनकी संख्या ज्यादा है लेकिन वहां पर दूसरी जातियों के भी लोग हैं और लगातार पांच दफा वहां विधायक निहाल अहमद चुन कर आए हैं क्योंकि हिन्दुओं को भी उतना ही विश्वास है (**व्यवधान**)

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : समाजवादी नेता हैं।

श्री जिनेन्द्र कुमार जैन : वह सेकुलर दंगा कराते हैं (**व्यवधान**)

श्री विश्वासराव रामराव पाटिल : यह सब दंगे आर०एस०एस० की वजह से होते हैं। इसलिए मैं विनीत करूंगा कि आपने पूरा ब्यौरा नहीं दिया है इसके बारे में। महाराष्ट्र में आर०एस०एस० की जो कार्यवाहियां चल रही हैं उसमें वे लोग विफल हो रहे हैं इसलिए साम्प्रदायिकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, इसके बारे में महाराष्ट्र सरकार क्या कर रही है? एक इंसीडेंट हो गया कि शिवाजी महाराज के पुतले पर कोई चप्पल वगैरह फेंक गया। मैं कहता हूं वहां चबूतरे पर कौन जा कर बैठा था। वहां चबूतरे पर यह मालेगांव के विधायक के शत्रु जा कर बैठे थे। यह सारे दो चार लोग कैमरा ले कर बैठे थे जिन्होंने लोगों का दिमाग भड़काया जिससे उन लोगों ने पत्थर फेंक दिये थे। वह लोग कह रहे हैं कि शिवाजी महाराज पर पत्थर फेंकते हैं (**व्यवधान**) इससे पहले भी मुहर्रम के दिन मेरे सांगली शहर में (**व्यवधान**)

श्री प्रमोद महाजन : उन्होंने मान लिया है (**व्यवधान**)

श्री जिनेन्द्र कुमार जैन : वह मान रहे हैं (**व्यवधान**)

श्री विश्वासराव रामराव पाटिल : मुहर्रम के दिन सांगली शहर में नफरत पैदा करने लिये आर० एस० एस० के लोगों ने सुबह वहां जा कर शिवाजी महाराज की तलवार पर चप्पल की माला चढ़वाई। यह सांगली के आर०एस०एस० के लोगों ने किया। मुहर्रम के दिन फसाद करवाने के लिए उन्होंने कार्यवाही की (**व्यवधान**) यह बातें हो रही है। इसके बारे में महाराष्ट्र सरकार क्या जांच करेगी? मैं जैकब साहब से यह जानना चाहता हूं। मैं इसलिए कहना चाहता हूं कि मज़हब के नाम पर जो साम्प्रदायिकता और नफरत फैलाई जा रही है वह किसी भी दिन आग बन कर अपनी लपटों से कई मासूम जिन्दगियों को झुलसा कर रख देगी। (**व्यवधान**) इसलिए सामाजिक नेताओं, राजनीतिक दलों के मुखियों और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को मजहबी जुनून से टक्कर लेने के लिए एक रणनीति बनानी होगी। यह तथ्य है कि तिरुवनन्तपुरम में जो दंगा हुआ वह इस्लामिक सेवक संघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कारण हुआ है। और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कारण हुआ। इसकी वजह अयोध्या ही थी। मालेगांव के दंगे की तह में वही है। तो ऐसे में राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद को वोटों में भुनने की कोशिश करने वालों को सोचना होगा और यह फैसला करना होगा कि वोट कीमती है कि देश। अगर उनके लिए वोट ज्यादा जरूरी कीमती है तो देश को सब कुछ मानने वाले भारतीयों को आगे आकर वोट भुनने वालों के इरादों को नाकाम करना होगा, यही मैं आपसे प्रार्थना करता हूं और कहूंगा कि जांच करनी चाहिए कि वहां मालेगांव में किस वजह से वह दंगा हुआ।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह): मैं सदन से यह जानना चाहूंगा कि इसको अभी आज समाप्त करना है या कल के लिए स्थगित करना है?

SHRI M. M. JACOB; I am prepared to sit for any length of time.

कई माननीय सदस्य : स्थगित कर दिया जाए।

श्री संघ प्रिय गौतम : सदन स्थगित कर दिया जाए।

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार) : आज के लिए स्थगित किया जाएगा।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : कल तक के लिए स्थगित किया जाए।

उपसभाध्यक्ष (श्री शंकर दयाल सिंह) : सदन की कार्यवाही कल 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। कल शाम को यह लिया जाएगा।

The House then adjourned at forty-seven minutes past 3ix of the clock till eleven of the clock on Wednesday, the 29th July, .